साहित्योत्सव
Festival of Letters
28 जनवरी - 2 फ़रवरी 2019
भाषाएँ अनेक • देश एक
दैनिक समाचार बुलेटिन
बुधवार, 30 जनवरी 2019

साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2018 अर्पण समारोह

साहित्य अकादेमी हमारा गौरव है : मनोज दास

साहित्य अकादेमी द्वारा साहित्योत्सव के दूसरे दिन 29 जनवरी 2019 को साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2018 के विजेताओं को एक भव्य समारोह में अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत लेखकों में सनंत तांति (असमिया), संजीव चट्टोपाध्याय (बाङ्ला), रितुराज बसुमतारी (बोडो), इंदरजीत केसर (डोगरी), शरीफा विजलीवाला (गुजराती), चित्रा मुद्गल (हिंदी), के.जी. नागराजप्प (कन्नड), मुश्ताक़ अहमद मुश्ताक़ (कश्मीरी), परेश नरेंद्र कामत (कोंकणी), वीणा ठाकुर (मैथिली), एम. रमेशन नायर (मलयाळम्), बुधिचंद्र हैस्नांबा (मणिपुरी), मधुकर सुदाम पाटील (मराठी), लोकनाथ उपाध्याय चापागाईं (नेपाली), मोहनजीत सिंह (पंजाबी), राजेश कुमार व्यास (राजस्थानी), रमाकांत शुक्ल (संस्कृत), श्याम बेसरा (संताली), खीमन यू. मूलाणी (सिंधी), एस. रामकृष्णन (तमिऴ), कोलकलूरि इनाक्(तेलुगु) एवं रहमान अब्बास (उर्दू) शामिल थे। पुरस्कार के रूप में ताम्रफ़लक और एक लाख रुपए की राशि का चेक भेंट किया गया। अंग्रेज़ी एवं ओड़िया के लेखक अस्वस्थता के कारण समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

साहित्य अकादेमी पुरस्कार अर्पण समारोह में पुरस्कृत लेखकों एवं अकादेमी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं अतिथियों का समूह चित्र

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में चंद्रशेखर कंबार ने कहा कि साहित्य अकादेमी पुरस्कारों ने जो प्रतिष्ठा प्राप्त की है, वह हमारी परंपराओं के प्रति वह निष्ठा है, जो हमने वर्षों के परिश्रम से हासिल की है। भारत की सांस्कृतिक विविधता ही वह प्रेरक तत्त्व है जो हमें एक दूसरे के प्रति संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। समारोह के मुख्य अतिथि मनोज दास ने कहा कि साहित्य अकादेमी हमारा गौरव है। अकादेमी पुरस्कार कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक का सम्मान है और यह हमारी पूरी सांस्कृतिक परंपरा का सम्मान है, जो रामायण, महाभारत, पंचतंत्र से लेकर, राजतरंगिणी और कालिदास तक की विरासत की वाहक है। विशिष्ट अतिथि श्रीलंकाई लेखक संतन अय्यातुरै ने कहा कि श्रीलंका का साहित्य भारतीय साहित्य परंपरा से प्रभाव और प्रेरणा ग्रहण करता है तथा इस समारोह में उपस्थित होना मेरे लिए गौरव की बात है। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि पुरस्कृत सभी लेखकों की यह महत्त्वपूर्ण विशिष्टता है कि वे अपनी रचनाओं के माध्यम से आम जनता की आवाज को मुखर करते हैं। कार्यक्रम के आरंभ में औपचारिक स्वागत करते हुए अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने अकादेमी की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए भारतीय साहित्य की व्यापकता और विविधता को रेखांकित किया। उन्होंने पुरस्कृत लेखकों की प्रशस्ति का पाठ भी किया।

आज के कार्यक्रम

लेखक सम्मिलन
रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 10.00 बजे

पूर्वोत्तरी : उत्तर-पूर्वी और उत्तरी लेखक सम्मिलन
रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 11.00 बजे

परिचर्चा : अनुवाद की चुनौतियाँ एवं समाधान
रवींद्र भवन परिसर, अपराह्न 2.30 बजे

प्रेमचंद फ़ेलोशिप 2017 अर्पण
रवींद्र भवन परिसर, अपराह्न 2.30 बजे

संवत्सर व्याख्यान : फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ पर गोपीचंद नारंग
रवींद्र भवन परिसर, सायं 6.00 बजे

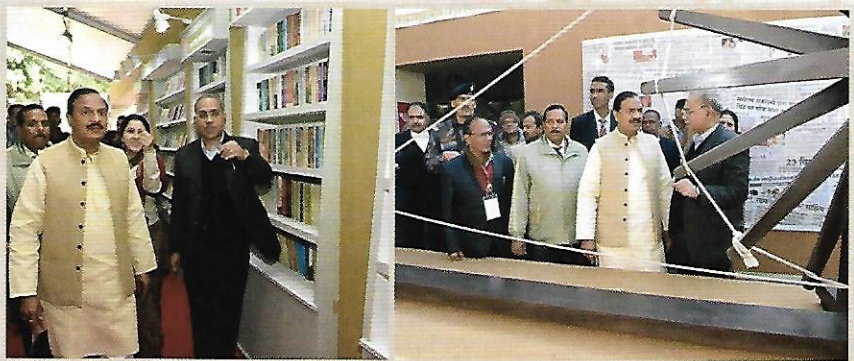
साहित्य अकादेमी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए भारत सरकार के माननीय संस्कृति मंत्री, डॉ. महेश शर्मा

पुरस्कार विजेताओं से मीडिया की बातचीत

मीडिया से बातचीत करते हुए लेखकों ने अपनी रचना-प्रक्रिया को लेकर मीडिया और श्रोताओं के सवालों के जवाब दिए। हिंदी कृति के लिए पुरस्कृत लेखिका चित्रा मुद्गल जी ने कहा कि मेरी पुरस्कृत कृति *पोस्ट बॉक्स नं. 203, नाला सोपारा* एक अपराध बोध से उपजी है। यह रचना ट्रांसज़ेंडर लोगों की पहचान से जुड़ी हुई है। लेकिन यह उपन्यास लिख लेने के बाद भी मैं उस अपराध-बोध से मुक्त नहीं हो पाई हूँ, जिससे मुक्ति की कामना ने मुझसे यह उपन्यास लिखवाया। अंग्रेजी, संताली, पंजाबी और ओड़िया भाषा के लेखक इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं थे। कार्यक्रम का संयोजन अकादेमी के संपादक (हिंदी) अनुपम तिवारी, क्षेत्रीय सचिव (बेंगळूरु) एस. पी. महालिंगेश्वर एवं क्षेत्रीय सचिव (मुंबई) कृष्णा किंबहुने ने किया।

साहित्य अकादेमी के नए महत्तर सदस्यों का चयन

साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार की अध्यक्षता में आयोजित अकादेमी की सामान्य सभा की दिनांक 29 जनवरी 2019 की नब्बेवीं बैठक में साहित्य अकादेमी के सर्वोच्च सम्मान 'महत्तर सदस्यता' के लिए चार लेखकों का चयन किया गया। चयनित नाम हैं : अंग्रेज़ी लेखक जयंत महापात्र, डोगरी कवयित्री एवं गीतकार पद्मा सचदेव, हिंदी कवि-आलोचक एवं संपादक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी तथा असमिया लेखक नगेन शइकीया।

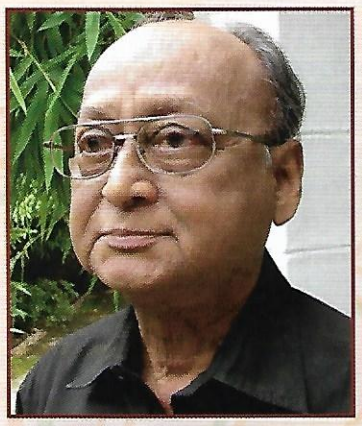

जयंत महापात्र (1928) प्रतिष्ठित अंग्रेज़ी कवि हैं। अंग्रेज़ी कविता के लिए साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त करनेवाले आप पहले कवि हैं। आपको पद्मश्री अलंकरण से भी विभूषित किया गया है।

पद्मा सचदेव (1940) प्रतिष्ठित डोगरी कवयित्री एवं गीतकार हैं। साहित्य अकादेमी पुरस्कार, कबीर सम्मान आदि पुरस्कारों के अलावा आपको पद्मश्री अलंकरण से भी विभूषित किया गया है।

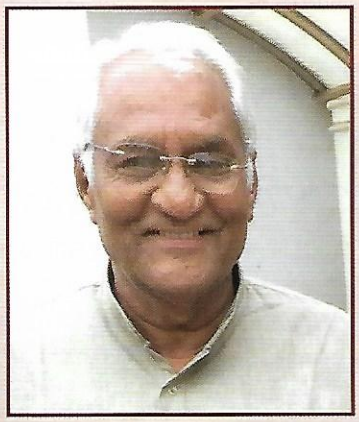

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (1940) हिंदी के प्रतिष्ठित कवि, आलोचक एवं संपादक हैं। व्यास सम्मान सहित अनेक पुरस्कारों से विभूषित प्रो. तिवारी साहित्य अकादेमी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष हैं।

नगेन शइकीया (1939) प्रतिष्ठित असमिया साहित्यकार हैं। साहित्य अकादेमी पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कारों से विभूषित प्रो. शइकीया राज्यसभा के पूर्व सदस्य तथा उपाध्यक्ष रहे हैं।

अखिल भारतीय आदिवासी लेखिका सम्मिलन

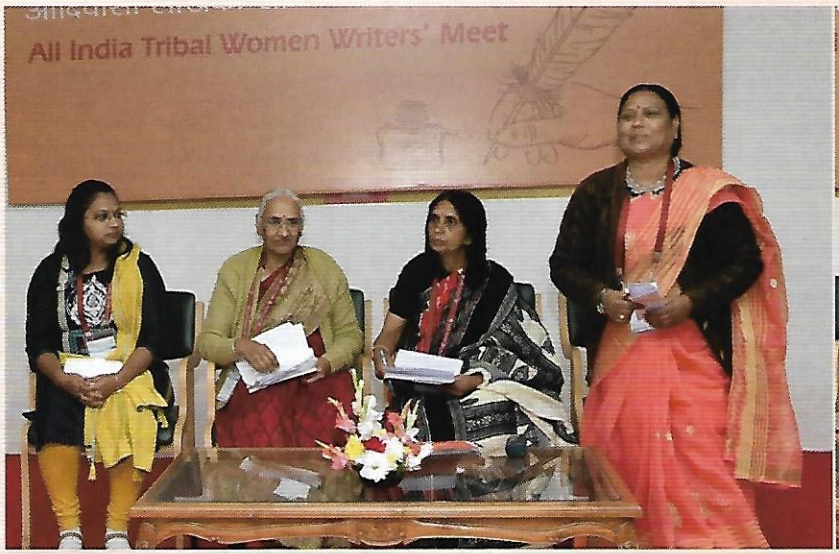

सुधा चौहान, बी.टी. ललितानायक, के. वासमल्ली एवं मंगला गरवाल

शोभा लिंबू योलमो, शकुंतला तरार एवं नीतिशा ख़लको

अखिल भारतीय आदिवासी लेखिका सम्मिलन के दूसरे दिन विचार-विमर्श के दो सत्र तथा कविता-पाठ के एक सत्र का आयोजन किया गया। 'आदिवासी साहित्य की विशिष्टता' विषयक सत्र तोडा लेखिका के. वासमल्ली की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस सत्र में भीली लेखिका मंगला गरवाल, चौधरी लेखिका सुधा चौहान और बंजारा लेखिका बी. टी. ललितानायक ने अपने समुदाय तथा आसपास की अन्य आदिवासी भाषाओं के संदर्भ में अपने विचार रखे। 'आदिवासी साहित्य : चुनौतियाँ और समाधान' विषयक सत्र की अध्यक्षता शोभा लिंबू योलमो ने की, जिसमें शकुंतला तरार और नीतिशा ख़लको ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी वक्ताओं ने वाचिक परंपरा से प्राप्त आदिवासी साहित्य में आदिवासी संस्कृति और सभ्यता के रेखांकन को आदिवासी साहित्य की विशिष्टता बताते हुए कहा कि वर्तमान आदिवासी साहित्य आदिवासी जीवन के सामाजिक सरोकारों और संघर्षों को चित्रित करने का कार्य भी कर रहा है। आदिवासी अस्तित्व को बचाए बनाए रखने की चुनौतियाँ इसके साहित्य की भी चुनौतियाँ हैं। इस सत्र में ककबरक भाषा के लेखक चंद्रकांत मुरासिंह ने भी अपने विचार रखे।

कविता-पाठ का सत्र भाषा वैज्ञानिक सतरूपा दत्त मजुमदार साहा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें रश्मि चौधुरी (बोडो), के. अंजली बेलागल (वागड़ी), अनुराधा मुंडू (हो), अर्चना दास टी. (कुरिच्या), अन्ना माधुरी तिर्की, प्रिस्का कुजूर, विश्वासी एक्का (कुड़ुख़), इंदुमती लमाणी (लमाणी), अवि माया थापा मनगर (मनगर), क्रइरि मोगचौधुरी (मोग), हीरा मीणा (मीणा), शकुंतला बेसरा (संताली) तथा नागरेखा गाँवकर (तुलु) ने अपनी कविताओं का पाठ हिंदी, अंग्रेज़ी अनुवाद के साथ किया। अथिरा आर. सी. (कणिक्कर) ने अपने आदिवासी समुदाय की साहित्य-संस्कृति का परिचय प्रस्तुत किया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में सतरूपा दत्त मजुमदार साहा ने पठित रचनाओं की सराहना करते हुए आदिवासी जीवन एवं साहित्य से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के क्षेत्रीय सचिव (कोलकाता) देवेंद्र कुमार देवेश ने किया।

देवेन्द्र कुमार देवेश, अनुराधा मुंडु, के अंजली वेलागल, रश्मि चौधुरी, सतरूपा दत्त मजुमदार साहा, अथिरा आर.सी. एवं अर्चना दास टी.

नाट्यकथा 'कृष्ण' की प्रस्तुति

शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रख्यात नृत्यांगना सोनल मानसिंह द्वारा नाट्यकथा 'कृष्ण' की प्रस्तुति की गई।

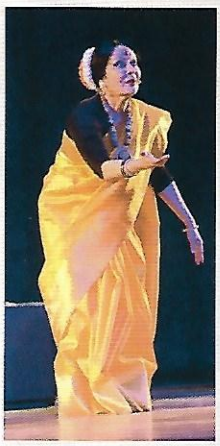

साहित्योत्सव के कार्यक्रम

31 जनवरी 2019

आमने-सामने
साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2018 से पुरस्कृत लेखकों की प्रतिष्ठित साहित्यकारों/विद्वानों से साथ बातचीत
पूर्वाह्न 10.00 – अपराह्न 1.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

युवा साहिती : नई फसल
अखिल भारतीय युवा लेखक सम्मिलन
पूर्वाह्न 10.30 – सायं 5.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

सांस्कृतिक कार्यक्रम : गायन-बायन, माटी अखरा एवं राम विजय खंड दृश्य
श्री श्री उत्तर कमलाबाड़ी सत्र, शंकर देव कृष्टि संघ, असम द्वारा
सायं 6.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

राष्ट्रीय संगोष्ठी : भारतीय साहित्य में गाँधी
पूर्वाह्न 11.00 – सायं 5.30 बजे
साहित्य अकादेमी सभागार

1 फ़रवरी 2019

राष्ट्रीय संगोष्ठी : भारतीय साहित्य में गाँधी (जारी...)
पूर्वाह्न 10.00 – सायं 6.00 बजे, साहित्य अकादेमी सभागार

परिचर्चा : मीडिया और साहित्य
पूर्वाह्न 11.00 – अपराह्न 1.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

परिचर्चा : नाट्य लेखन का वर्तमान परिदृश्य
अपराह्न 2.30 – सायं 5.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

सांस्कृतिक कार्यक्रम : इंडो-फ़्यूज़न संगीत : सुनीता भुयाँ एवं समूह द्वारा
सायं 6.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

2 फ़रवरी 2019

राष्ट्रीय संगोष्ठी : भारतीय साहित्य में गाँधी (जारी...)
पूर्वाह्न 10.00 – सायं 6.00 बजे, साहित्य अकादेमी सभागार

आओ कहानी बुनें : बच्चों के लिए विविध कार्यक्रम
पूर्वाह्न 10.30 – अपराह्न 2.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

परिचर्चा : भारत में प्रकाशन की स्थिति
पूर्वाह्न 11.00 बजे – अपराह्न 1.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

ट्रांसजेंडर कवि सम्मिलन
अपराह्न 2.30 – सायं 5.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

साहित्य अकादेमी
रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110001
ईमेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in
दूरभाष : 011-23386626/27/28, फ़ैक्स : 011-23382428
वेबसाइट : http://www.sahitya-akademi.gov.in